● पढ़ो और समझो :

१३. (अ) समान-विरुद्ध

नेत्र आँख	वृक्ष पेड़	पक्षी पंछी	पुष्प फूल
द्वार दरवाजा	चारपाई खटिया	सवेरा सुबह	केश बाल
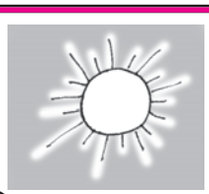 दिन 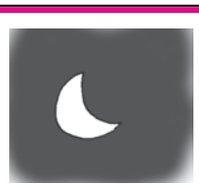 रात		ऊपर नीचे	
कम अधिक		छोटा बड़ा	
गरम ठंडा		सुखी दुखी	
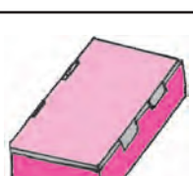 बंद 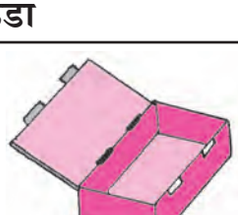 खुला		आगे पीछे	

❑ चित्र के माध्यम से समानार्थी-विरुद्धार्थी समझाएँ । **परिभाषा नहीं बतानी है ।** अन्य उदाहरण देकर विद्यार्थियों से ऐसे शब्दों का दृढ़ीकरण करवाएँ । पाठ्यपुस्तक में आए ऐसे शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें । उनका संग्रह कराके सुलेखन और श्रुतलेखन करवाएँ ।

● **आपस में श्रुतलेखन करो :**

(ब) छुक-छुक गाड़ी

रविवार का दिन था । विद्यालय में छुट्टी थी । बच्चे अपने घरों में बैठे-बैठे तंग आ गए थे । गृहकार्य भी हो गया था । वे सभी मैदान में आ गए । बच्चों ने छुक-छुक गाड़ी का खेल खेलने का निश्चय किया । वर्ष उनमें सबसे बड़ा था । उसने कहा, "मैं एक से बीस तक सबको नाम दूँगा । सभी को क्रमानुसार डिब्बे बनकर इंजन के पीछे जुड़ना है ।" उसने निम्नलिखित प्रकार से नाम दिए :

एक-चैत्र, आठ-कार्तिक, पाँच-श्रावण, दो-वैशाख, सात-आश्विन, चार-आषाढ़, अठारह-शनिवार, छह-भाद्रपद, दस-पौष, पंद्रह-बुधवार, सत्रह-शुक्रवार, नौ-अग्रहायण, बारह-फाल्गुन, तीन-ज्येष्ठ, सोलह-गुरुवार, चौदह-मंगलवार, ग्यारह-माघ, तेरह-सोमवार, उन्नीस-रविवार और वर्ष स्वयं बीस बन गया । वह इंजन बना । सभी बच्चे उलटे क्रम से अपना क्रमांक और नाम बोलते हुए इंजन के पीछे जुड़ते गए । इस तरह शुरू हो गया; छुक-छुक गाड़ी का खेल । तुम सब भी छुक-छुक गाड़ी का खेल खेलो । यह खेल गरमी, वर्षा, सरदी हर मौसम में खेल सकते हो ।

लिखो :

१. सप्ताह के दिन ।
२. मौसम के नाम ।
३. महीनों के नाम ।
४. एक से बीस तक की गिनती को अंकों और शब्दों में ।

❑ पाठ का उचित उच्चारण के साथ वाचन करें । एक-एक परिच्छेद का अनुलेखन/सुलेखन कराएँ । विद्यार्थियों से एक से बीस तक के अंकों का अक्षरों में श्रुतलेखन करवाएँ और आपस में एक-दूसरे की कॉपी जाँचने के लिए कहें । उनसे ऊपर के चित्रों पर नाम लिखवाएँ ।